संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बलों की मौतें

प्रिलिम्स के लिये:

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, ब्लू हेलमेट

मेन्स के लिये:

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बल और इससे संबंधित मुद्दे, जैसे शांतिरक्षक बल के सैनिकों की मौत की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र के **अवर महासचिव के अनुसार,** संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बलों (UNPKF) में सीधे-सीधे हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है।

- उन्होंने **बेहतर प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और उपकरणों** की नितांत आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बल:

- **विषय:**
  - **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** द्वारा **वर्ष 1948 में मध्य-पूर्व में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की तैनाती** को मंज़ूरी दिए जाने के बाद **संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बल** की स्थापना की गई।
  - इसका आरंभ 1948 में किया गया था और इसने अपने पहले ही मिशन, 1948 में हुए अरब-इज़राइल युद्ध के दौरान युद्धविराम का पालन करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
  - संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बल **युद्ध से शांति की ओर** संक्रमण पर बातचीत करने में राष्ट्रों की सहायता करती है।
  - **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** और **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा अनुमोदित कई मिशनों को अंजाम देने के लिये यह दुनिया भर के सैनिकों और पुलिस को तैनात करता है और उन्हें नागरिक शांतिरक्षकों के साथ जोड़ता है।
  - संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का **अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रत्येक वर्ष 29 मई** को मनाया जाता है।
    - **2022 के लिये थीम:** लोग, शांति, प्रगति: साझेदारी की शक्ति।

भारत और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक बल (UNPKF):

- भारत उन राष्ट्रों में शामिल है जो **संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में सबसे अधिक सैनिक** भेजते हैं।
  - **उदाहरण: कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (MONUSCO)** में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में भारत**दूसरा सबसे बड़ा सैन्य और पाँचवा सबसे बड़ा पुलिस योगदान** देने वाला देश है।
- वर्ष 1948 से अब तक **2,60,000 से अधिक भारतीयों ने संयुक्त राष्ट्र के 49 शांति अभियानों** में सेवा दी है।
- वर्ष 2007 में भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में **एक महिला दल को तैनात करने वाला पहला देश** बन गया।
- पिछले छह दशकों में संयुक्त राष्ट्र के **शांति अभियानों में 179 भारतीय सैनिक मारे गए** हैं।
- यह **"ब्लू हेलमेट"** में किसी भी राष्ट्र के सैनिकों की मृत्यु का सबसे बड़ा आँकड़ा है।
  - **ब्लू हेलमेट** संयुक्त राष्ट्र के सैन्यकर्मी हैं जो **"स्थिरता, सुरक्षा और शांति प्रक्रियाओं"** को बढ़ावा देने के लिये संयुक्त राष्ट्र पुलिस और नागरिक सहयोगियों के साथ कार्य करते हैं।

मृत्यु के संभावित कारण:

- जिस माहौल में शांति अभियान चल रहे हैं, वह राजनीतिक और सुरक्षा दोनों दृष्टि से बिगड़ता जा रहा है।
- कई ऑपरेशन, विशेष रूप से अफ्रीका में बड़े ऑपरेशन, आपराधिक या आतंकवादी संगठन के खिलाफ सैनिकों को शामिल करते हैं जो शांति और स्थिरता पर उथल-पुथल पसंद करते हैं।

मौतों पर नियंत्रण:

- शांति रक्षा अभियानों में भौगोलिक संतुलन और समानता बनाए रखी जानी चाहिये।
- पुलिस और शांति सेना प्रदान करने वाले देशों के भौगोलिक विविधीकरण को बढ़ाने के लिये अधिक प्रयास की आवश्यकता है।
- भारत ने दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के समक्ष आने वाली सुरक्षा और परिचालन चुनौतियों से निपटने के लिये 10 सूत्री फॉर्मूला पेश किया है।
    - अभियानों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिये शांति सेना के नेतृत्व को आत्मविश्वास का निर्माण करना चाहिये तथा मेज़बान राज्य के साथ कुशल सहयोग सुनिश्चित करना चाहिये।
    - शांति अभियानों में भाग लेने वाले देशों द्वारा एजेंडा तय होना चाहिये न कि सुरक्षा परिषद द्वारा।
    - उनकी सीमाओं की गहन समझ के साथ, शांति अभियानों को सतर्कता से तैनात किया जाना चाहिये।
    - **स्पष्ट रूप से परिभाषित उद्देश्य जो पर्याप्त संसाधनों द्वारा समर्थित हो।**
    - शांतिरक्षकों के खिलाफ अत्याचार के लिये ज़िम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाने हेतु **हर संभव प्रयास किये जाने चाहिये।**
    - हिंसक संघर्षों को समाप्त करने और बाहरी खतरों के खिलाफ वैश्विक सुरक्षा के निर्माण के लिये यह आवश्यक है।
    - शांति अभियानों में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करने से सुरक्षा मुद्दों को दूर करने में मदद मिल सकती है।
    - मिशन का मूल्यांकन करते समय **सैन्य, नागरिक और मिशन नेतृत्व सभी पर विचार किया जाना** चाहिये।
    - शांति स्थापना के लिये शुरू से ही **"निकास रणनीति"** पर विचार किया जाना चाहिये।
    - लोगों को उनकी धरती पर काम करने वाले गैर-राज्य समूहों से बचाने का प्राथमिक कर्तव्य मेज़बान सरकार का होगा।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/un-peacekeeping-forces-fatalities